भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 726
29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

यूनानी अनुसंधान एवं विकास की स्थापना

726. श्री डी. एम. कथीर आनंद:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की तमिलनाडु राज्य के वेल्लोर संसदीय क्षेत्र के वानीयंबाडी में यूनानी अनुसंधान एवं विकास केन्द्र स्थापित करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वेल्लोर क्षेत्र में महत्वपूर्ण औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों की खेती के लिए औषधीय पौधों और जड़ी-बूटियों के फार्म शुरू करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रभावी उपाय किए गए हैं; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा इस संबंध में वर्ष-वार कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): वर्तमान में, आयुष मंत्रालय के पास तमिलनाडु राज्य के वेल्लोर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के वानीयंबाडी में यूनानी अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) और (ग): वर्तमान में, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय वेल्लोर क्षेत्र सहित किसानों की भूमि पर औषधीय पादपों की खेती/रोपण के लिए वित्तीय सहायता नहीं दे रहा है।

हालांकि, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक औषधीय पादपों की खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित किया था। राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के 'औषधीय पादप' घटक के तहत, पहचाने गए समूहों/अंचलों में 140 प्राथमिकता वाले औषधीय पादपों की बाजार संचालित खेती को समर्थन दिया गया था और तमिलनाडु सहित पूरे देश में चयनित राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से मिशन मोड में लागू किया गया। योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, निम्नलिखित के लिए सहायता प्रदान की गई थी:

(i) किसानों की भूमि पर प्राथमिकता वाले औषधीय पादपों की खेती।
(ii) गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की खेती और आपूर्ति के लिए पश्चवर्ती संपर्कों के साथ नर्सरियों की स्थापना।
(iii) अग्रवर्ती संपर्कों के साथ फसलोपरांत प्रबंधन।
(iv) प्राथमिक प्रसंस्करण, विपणन अवसंरचना आदि।

यह योजना वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक तमिलनाडु सहित पूरे देश में लागू की गई थी। अभी तक, आयुष मंत्रालय द्वारा केंद्रीय हिस्से के रूप में 662.576 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई थी और वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के औषधीय पादप घटक के तहत तमिलनाडु में 3,931 हेक्टेयर क्षेत्र में औषधीय पादपों की खेती, 04 फसलोपरांत प्रबंधन इकाइयों (भंडारण/गोदाम और सुखाने के शेड) और 02 प्रदर्शन भूखंडों के लिए सहायता प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के औषधीय पादप घटक के तहत तमिलनाडु में स्वीकृत गतिविधियों का ब्यौरा **संलग्नक** पर दिया गया है।

*****

संलग्नक

वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) योजना के औषधीय पादप घटक के तहत तमिलनाडु में स्वीकृत गतिविधियों का ब्यौरा

क्र.सं.	**गतिविधियां**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**कुल**
1	औषधीय पादपों की खेती के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र (क्षेत्र हेक्टेयर में)	633	960	673	765	900	0	**3931**
2	फसलोपरांत प्रबंधन इकाइयों की संख्या (संख्या में)	0	0	0	0	04	0	**04**
3	प्रदर्शन भूखंड	0	0	0	0	02	0	**02**
4.	जारी की गई धनराशि	86.534	151.627	136.965	103.853	183.597	0.00	**662.576**

	(केन्द्रीय हिस्सा) (लाख रुपए में)							